जीवन-परिचय
[आ० रामचंद्र शुक्ल]

- **जन्म** - 1884 ई० **मृत्यु** - 1941 ई०
- **पिता** - चंद्रबली शुक्ल
- **स्थान** - बस्ती जिले के अगोना ग्राम में जन्म ।
- **प्राराम्भिक शिक्षा** - मिशन स्कूल मिर्जापुर
- **कार्य** - आलोचक, इतिहासकार, निबंधकार
- **प्रमुख रचनाएँ** - चिंतामणि, विचारवीथी, रसमीमांसा ।

जीवन-परिचय — आ० रामचंद्र शुक्ल जी का जन्म सन् 1884 ई० में बस्ती जिले के अगोना नामक गाँव में हुआ था। इनके पिता का नाम चंद्रबली शुक्ल था। हाईस्कूल परीक्षा मिर्जापुर के मिशन स्कूल से उत्तीर्ण की। इन्टर की परीक्षा अंतिम वर्ष में छूट गयी।

मिर्जापुर के न्यायालय में नौकरी कर ली किंतु किसी कारण से छूट गयी। मिर्जापुर के मिशन स्कूल में चित्रकला के अध्यापक हो गये। साथ ही पत्र-पत्रिकाओं में इनके लेख प्रकाशित होने लगे। काशी हिंदू विश्व-विद्यालय में प्राध्यापक पद पर नियुक्त हुए फिर हिन्दी विभाग के अध्यक्ष पद पर कार्य किया।

सन 1941 ई० में हिन्दी का यह प्रसिद्ध आलोचक पंचतत्व में लीन हो गया।

कृतियाँ – आचार्य शुक्ल की प्रसिद्ध कृतियाँ इस प्रकार हैं —

चिंतामणि, विचारवीथी, रसमीमांसा, हिंदी साहित्य का इतिहास आदि।